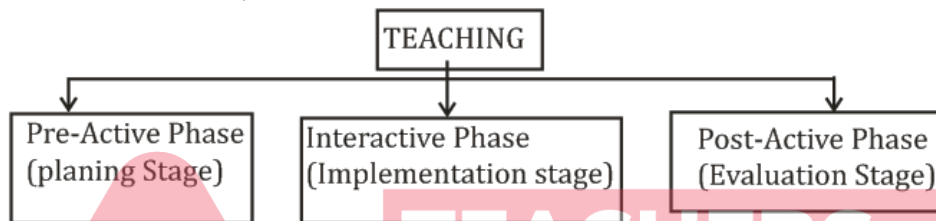


Phases and Stages of Teaching

Teaching is a complex task. For performing this task, a systematic planning is needed. Teaching is to be considered in terms of various steps and the different steps constituting the process are called the phases of teaching Jackson thinks that if we are to obtain a complete description of the teaching activity, we must consider what the teacher does before and after his regular teaching in the class, Jackson divides the teaching act into three phases of teaching as shown below: शिक्षण एक जटिल कार्य है। इस कार्य को करने के लिए, एक व्यवस्थित योजना की आवश्यकता है। शिक्षण को विभिन्न चरणों के संदर्भ में माना जाता है और प्रक्रिया को बनाने वाले विभिन्न चरणों को शिक्षण का चरण कहा जाता है जैक्सन का मानना है कि यदि हमें शिक्षण गतिविधि का पूरा विवरण प्राप्त करना है, तो हमें यह विचार करना चाहिए कि शिक्षक कक्षा में नियमित शिक्षण के पहले और बाद में क्या करता है। जैक्सन ने शिक्षण कार्य को शिक्षण के तीन चरणों में विभाजित किया है:



Phases of teaching can also be explained as under:

शिक्षण के चरणों को भी निम्न के रूप में समझाया जा सकता है:

1. Pre-active Stage:- The teacher at this stage hypothesis about the possible outcome of his action. As the teacher decides what textbooks to use or how to group the children for reading or whether to notify student's parents of their poor performance पहले से सक्रिय चरण:- इस स्तर पर शिक्षक अपनी कार्रवाई के संभावित परिणाम के बारे में परिकल्पना करते हैं। जैसा कि शिक्षक यह तय करता है कि पढ़ने के लिए बच्चों को किस पाठ्यपुस्तक का उपयोग करना है या कैसे समूह बनाना है या अपने खराब प्रदर्शन के बारे में छात्र के माता-पिता को सूचित करना है या नहीं।

Following operations or substages are involved

निम्नलिखित ऑपरेशन या विकल्प शामिल हैं:-

- Forming of fixing up goals. लक्ष्य तय करने का गठन।
- Taking decisions about the content. सामग्री के बारे में निर्णय लेना।
- Managing or sequencing appropriate means and ways of presentation. उचित साधन और प्रस्तुति के तरीके का प्रबंधन या अनुक्रमण।
- Deciding about appropriate strategies and tactics of teaching. शिक्षण की उपयुक्त रणनीति और रणनीति के बारे में निर्णय लेना।
- Developing teaching strategies for the specific subject matter विशिष्ट विषय वस्तु के लिए शिक्षण रणनीति विकसित करना।

2. Inter-active stage अंतर-सक्रिय चरण:- This is actual classroom teaching. At this stage the teacher uses a number of strategies for achieving the goals already set, in the inter-active setting. यह वास्तविक कक्षा शिक्षण है। इस स्तर पर शिक्षक अंतर-सक्रिय सेटिंग में पहले से निर्धारित लक्ष्यों को प्राप्त करने के लिए कई रणनीतियों का उपयोग करता है।

12 Months Subscription

TEACHERS
SUPREME

All Teachers Video Courses

The task of keeping pupils involved may entail explanation, demonstration definition, and other logical operations that have come to be thought of as the heart of teaching विद्यार्थियों को शामिल रखने का कार्य स्पष्टीकरण, प्रदर्शन परिभाषा और अन्य तार्किक परिचालनों को शामिल कर सकता है, जिन्हें शिक्षण के दिल के रूप में माना जाता है।

संवादात्मक चरण के संचालन या उप-चरण: शिक्षण के अंतर-सक्रिय चरण में निम्नलिखित शामिल हैं:

- (a) Perceiving the size of the class by the teacher to identify students. छात्रों की पहचान करने के लिए शिक्षक द्वारा कक्षा के आकार को समझना।
- (b) Diagnosing the achievements of the learners शिक्षार्थियों की उपलब्धियों का निदान करना
- (c) Action or Achievement (Initiation or Response) this involves the following operations: कार्रवाई या उपलब्धि (आरंभ या प्रतिक्रिया) इसमें निम्नलिखित कार्य शामिल हैं:
 - I. Selection of stimuli उत्तेजनाओं का चयन
 - II. Presentation of the Stimuli स्टिमुली की प्रस्तुति
 - III. Feedback of reinforcement सुदृढीकरण की प्रतिक्रिया
 - IV. Development of strategies of teaching शिक्षण की रणनीतियों का विकास

3. Post-Active Stage:- The post active stage concerning evaluation provides necessary feedback to the teacher and the students in bringing desirable improvement in their performance. It is related with both teaching and learning.

उत्तर-सक्रिय चरण - मूल्यांकन से संबंधित पोस्ट सक्रिय चरण शिक्षक और छात्रों को उनके प्रदर्शन में वांछनीय सुधार लाने के लिए आवश्यक प्रतिक्रिया प्रदान करता है। यह शिक्षण और अधिगम दोनों से संबंधित है।

The teacher analyses as to what extent the student have grasped the material presented to them. It is in fact the assessment of the interactive process. It helps the teacher to teach things better in future. It also helps the students to learn things better. It enables the teacher to decide whether he should proceed with the new contents or reteach. What has already been taught. शिक्षक इस बात का विश्लेषण करता है कि छात्र ने उन्हें किस हद तक सामग्री प्रस्तुत की है। यह वास्तव में इंटरैक्टिव प्रक्रिया का मूल्यांकन है। यह शिक्षक को भविष्य में चीजों को बेहतर ढंग से सिखाने में मदद करता है। यह छात्रों को बेहतर चीजें सीखने में भी मदद करता है। यह शिक्षक को यह तय करने में सक्षम बनाता है कि उसे नई सामग्री या रीचेक के साथ आगे बढ़ना चाहिए। जो पहले ही सिखाया जा चुका है

In short, following operations are involved at the post active stage: संक्षेप में, उत्तर- सक्रिय चरण में निम्नलिखित ऑपरेशन शामिल हैं:

- (a) Assessing the suitability of the objectives determined. निर्धारित उद्देश्यों की उपयुक्तता का आकलन करना।
- (b) Deciding regarding reteaching the content or further taking up the contents. सामग्री को पुनः प्राप्त करने या आगे सामग्री लेने के बारे में निर्णय लेना।
- (c) Assessing the suitability of the instructional material and aids. निर्देशात्मक सामग्री और सहायता की उपयुक्तता का आकलन करना।
- (d) Assessing the impact of the classroom environment and effecting desired changes. कक्षा के वातावरण के प्रभाव का आकलन करना और वांछित परिवर्तनों को प्रभावित करना

TEST SERIES

Bilingual



KVS TGT
30 TOTAL TESTS

Validity : 12 Months